Daily Current Affairs 23/09/2021

1. तमिलनाडु के कोवलम समुद्र तट, पुडुचेरी के ईडन को ब्लू फ्लैग प्रमाणन मिला

चर्चा में क्यों?

- **तमिलनाडु में कोवलम समुद्र तट और पुडुचेरी में ईडन समुद्र तट** को प्रतिष्ठित ब्लू फ्लैग प्रमाणन, एक अंतरराष्ट्रीय इको-स्तरीय टैग से सम्मानित किया गया है।
- भारत में अब **10 ब्लू फ्लैग समुद्र तट** हैं।

प्रमुख बिंदु

- **फाउंडेशन फॉर एनवायर्नमेंट एजुकेशन (FEE) इन डेनमार्क** वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त इको-लेबल- ब्लू फ्लैग प्रमाणन प्रदान करता है। उसने 8 नामांकित समुद्र तटों **शिवराजपुर-गुजरात, कप्पड-केरल, घोघला-दीव, कासरकोड एवं पदुबिद्री-कर्नाटक, रुशिकोंडा-आंध्र प्रदेश, गोल्डन-ओडिशा और राधानगर-अंडमान एवं निकोबार** के लिए दोबारा प्रमाणन भी दिया है। इन समुद्र तटों को 2020 में ब्लू फ्लैग प्रमाण पत्र दिया गया था।
- **भारत** ने **जून 2018 में विश्व पर्यावरण दिवस** पर एक साथ 13 तटीय राज्यों में तटीय क्षेत्रों के सतत विकास की अपनी यात्रा अपने समुद्र तट सफाई अभियान I-AM-SAVING-MY-BEACH को शुरू करके की और उसके बाद मंत्रालय के प्रतिष्ठित कार्यक्रम **BEAMS (बीच एनवायर्नमेंट एंड एस्थेटिक्स मैनेजमेंट सर्विसेज)** को लागू किया।

- मंत्रालय अपने **एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन (ICZM) पहल** के तहत मंत्रालय के विजन एजेंडे के तहत अगले 5 वर्षों में 100 अन्य समुद्र तटों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ब्लू फ्लैग प्रमाणन के बारे में:

- यह चार मुख्य प्रमुखों में 33 कड़े मानदंडों के आधार पर विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त इको-लेबल है जिसमे पर्यावरण शिक्षा और सूचना, स्नान के पानी की गुणवत्ता, पर्यावरण प्रबंधन और संरक्षण और समुद्र तटों में सुरक्षा और सेवाएं शामिल हैं।
- ब्लू फ्लैग लेबल प्रतिष्ठित सदस्यों - संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP), संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO), डेनमार्क स्थित NGO फाउंडेशन फॉर एनवायरनमेंटल एजुकेशन (FEE), UNESCO और इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (IUCN) पर बनी अंतरराष्ट्रीय जूरी द्वारा दिया जाता है।

स्रोत: PIB

2. अप्रैल-जुलाई, 2021-22 में FDI प्रवाह

चर्चा में क्यों?

- **वित्त वर्ष 2021-22 के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई)** के दौरान **भारत** ने कुल 27.37 बिलियन अमेरिकी डॉलर के **प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)** प्रवाह को आकर्षित किया है जो वित्त वर्ष 2020-21 (16.92 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की इसी अवधि की तुलना में 62 प्रतिशत अधिक है।

प्रमुख बिंदु

- पिछले साल की इसी अवधि (9.61 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की तुलना में वित्त वर्ष 2021-22 (20.42 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के पहले चार महीनों में FDI इक्विटी प्रवाह में 112 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।
- वित्त वर्ष 2021-22 के पहले चार महीनों के दौरान **'ऑटोमोबाइल उद्योग' शीर्ष क्षेत्र** के रूप में उभरा है। इसका कुल FDI इक्विटी प्रवाह में योगदान 23 प्रतिशत रहा है, इसके

बाद कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर (18 प्रतिशत) का और सेवा क्षेत्र (10 प्रतिशत) का स्थान रहा है।

- चालू वित्त वर्ष (2021-22) के पहले चार महीनों के दौरान 'ऑटोमोबाइल उद्योग' क्षेत्र के तहत, FDI इक्विटी का अधिकांश प्रवाह (87 प्रतिशत) कर्नाटक राज्य में दर्ज किया गया था।
- वित्त वर्ष 2021-22 (जुलाई, 2021 तक) के दौरान कुल FDI इक्विटी प्रवाह में 45 प्रतिशत हिस्से के साथ **कर्नाटक शीर्ष प्राप्तकर्ता राज्य** रहा है, इसके बाद महाराष्ट्र (23 प्रतिशत) और दिल्ली (12 प्रतिशत) का स्थान रहा है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) के बारे में:

- **FDI** एक देश में एक व्यवसाय में दूसरे देश में स्थित एक इकाई द्वारा नियंत्रित स्वामित्व के रूप में एक निवेश है।
- **मार्ग जिससे से भारत को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) प्राप्त होता है:** सरकारी मार्ग, स्वचालित मार्ग
- **FDI को बढ़ावा देने के लिए सरकारी उपाय:** FDI से जुड़े नीतिगत सुधारों, निवेश को सुविधाजनक बनाने और कारोबार करने में आसानी सुनिश्चित करने के मोर्चों पर किए गए विभिन्न उपायों के परिणामस्वरूप देश में FDI प्रवाह में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

स्रोत: PIB

3. राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने एक राष्ट्रीय संचालन समिति बनाई

सत्यमेव जयते
Ministry of Education

चर्चा में क्यों?

- शिक्षा मंत्रालय ने **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020** के अनुरूप **राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए 12 सदस्यीय राष्ट्रीय संचालन समिति** का गठन किया है।

प्रमुख बिंदु

- समिति की अध्यक्षता **ISRO के पूर्व अध्यक्ष डॉ के कस्तूरीरंगन** करेंगे। वे NEP, 2020 की मसौदा समिति के अध्यक्ष भी थे।

समिति के लिए महत्वपूर्ण नियम:

- NEP 2020 के दृष्टिकोण के अनुसार, समिति चार राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा विकसित करेगी- यानी स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा, छोटे बच्चे की देखभाल और शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम, शिक्षकों की शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा और प्रौढ़ शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा।
- राष्ट्रीय संचालन समिति का कार्यकाल इसकी अधिसूचना की तिथि से तीन साल का होगा।

स्रोत: PIB

4. जम्मू और कश्मीर के लिए एकीकृत अरोमा डेयरी उद्यमिता

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर के लिए **एकीकृत अरोमा डेयरी उद्यमिता** का प्रस्ताव रखा, जिससे किसानों की आय को दोगुना किया जा सके।
- इसे केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वावधान में CSIR द्वारा जम्मू-कश्मीर में शुरू किए जा चुके **अरोमा मिशन** के साथ प्रभावी रूप से एकीकृत किया जा सकता है।
- हाल ही में, भारत के 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में **CSIR फ्लोरीकल्चर मिशन** शुरू किया गया है।

प्रमुख बिंदु

अरोमा मिशन के बारे में:

- **"लैवेंडर या पर्पल रिवोल्यूशन"** के रूप में लोकप्रिय अरोमा मिशन की शुरूआत जम्मू-कश्मीर से हुई है, जिसने किसानों के जीवन का कायाकल्प कर दिया है।

- **नोडल एजेंसियां:** नोडल प्रयोगशाला CSIR-केंद्रीय औषधीय और सुगंधित पौधे संस्थान, लखनऊ है।
- भाग लेने वाली प्रयोगशालाएं CSIR-हिमालयी जैव संसाधन प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर; CSIR-भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान, जम्मू आदि हैं।
- CSIR-IIIM-जम्मू ने पहले चरण की सफलता के बाद फरवरी, 2021 में अरोमा मिशन चरण- II की घोषणा की।

फ्लोरीकल्चर (फूलों की खेती) मिशन के बारे में:

- CSIR फूलों की खेती अभियान में उद्यमिता विकास के बड़े अवसर पैदा होने की उम्मीद है।
- मिशन के तहत मधुमक्खी पालन के लिए वाणिज्यिक फूलों की खेती, मौसमी / सालभर होने वाले फूलों की खेती, जंगली फूलों की फसलों पर ध्यान दिया जाएगा। कुछ लोकप्रिय फूलों की फसलों में ग्लैडियोलस, कन्ना, कार्नेशन, गुलदाउदी, जरबेरा, लिलियम, मैरीगोल्ड, रोज, ट्यूबरोज आदि शामिल हैं।

नोट: भारतीय फूलों की खेती का बाजार 2018 में 15700 करोड़ रुपये का था। बाजार 2019-24 के दौरान 2024 तक 47200 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है।

स्रोत: PIB

5. एयर मार्शल वी आर चौधरी बने अगले वायुसेना प्रमुख

चर्चा में क्यों?

- सरकार ने 30 सितंबर 2021 को एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया की सेवानिवृत्ति के बाद **एयर मार्शल वी आर चौधरी**, जो वर्तमान में वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ हैं, को अगले **वायुसेना प्रमुख** के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया है।

प्रमुख बिंदु

- वी आर चौधरी को 29 दिसंबर, 1982 को भारतीय वायु सेना के फाइटर स्ट्रीम में कमीशन प्रदान किया गया था और वर्तमान में वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ समेत वह विभिन्न स्तरों पर अनेक कमांड, स्टाफ और निर्देशात्मक पदों पर रहे हैं।
- चौधरी परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक और वायु सेना पदक के प्राप्तकर्ता हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

6. 'सुपर 30' के संस्थापक आनंद कुमार स्वामी ब्रह्मानंद पुरस्कार 2021 से सम्मानित

चर्चा में क्यों?

- **आनंद कुमार, गणितज्ञ** को उनकी **'सुपर 30'** पहल के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए **स्वामी ब्रह्मानंद पुरस्कार 2021** से सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

स्वामी ब्रह्मानंद पुरस्कार के बारे में:

- यह पुरस्कार हर साल उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में या गाय के कल्याण के लिए विशेष कार्य किया है।
- यह स्वामी ब्रह्मानंद, एक स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व सांसद और एक संत के नाम पर स्थापित किया गया है जो अपने बलिदानों और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए जाने जाते हैं।
- **नोट:** जर्मन नागरिक फ्रेडरिक इरिना ब्रुइनिंग को 2019 में गोरक्षा के लिए पहला स्वामी ब्रह्मानंद पुरस्कार मिला।

स्रोत: TOI

7. राजा ऋत्विक भारत के 70वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बने

चर्चा में क्यों?

•**तेलंगाना** के **आर राजा ऋत्विक भारत के 70वें शतरंज ग्रैंडमास्टर (GM)** बन गए, हंगरी में हाल ही में प्रतियोगिता के दौरान अपने तीसरे और अंतिम नॉर्म को प्राप्त किया।

प्रमुख बिंदु

- 2019 में अपना पहला GM नॉर्म अर्जित करने वाले ऋत्विक ने एक महीने से भी कम समय में अपना दूसरा और तीसरा नॉर्म हासिल किया।

नोट:

- विश्वनाथन आनंद 1988 में भारत के पहले GM बने।
- पुणे के हर्षित राजा अगस्त 2021 में भारत के 69वें GM बने।

स्रोत: द हिंदू

8. 23 सितंबर, अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस

चर्चा में क्यों?

- **संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA)** ने सांकेतिक भाषा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 23 सितंबर को **अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस (IDSL)** मनाने की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ द डेफ द्वारा घोषित 2021 का विषय **"वी साइन फॉर ह्यूमन राइट्स"** है।

byjusexamprep.com

पृष्ठभूमि:

- इस दिन का प्रस्ताव **वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ द डेफ (WFD)** से आया है जो बधिरों के 135 राष्ट्रीय संघों का एक संघ है।
- अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पहली बार 2018 में बधिरों के अंतर्राष्ट्रीय सप्ताह के हिस्से के रूप में मनाया गया था।
- बधिरों का अंतर्राष्ट्रीय सप्ताह पहली बार सितंबर 1958 में मनाया गया था।

नोट:

- वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ द डेफ के अनुसार, दुनिया भर में 70 मिलियन से अधिक बधिर लोग हैं।
- उनमें से 80% से अधिक विकासशील देशों में रहते हैं। सामूहिक रूप से, वे 300 से अधिक विभिन्न सांकेतिक भाषाओं का उपयोग करते हैं।

स्रोत: un.org

byjusexamprep.com